VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0134 7890

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Zinnia Aurora

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
English

तारीख
Date
25/08/2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre
Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISIONIAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Moral discourse of Kant and Gandhiji over Machiavelli and Lokayata ethics places centricity on means over ends.

Determination of ends by means

1) Means are an integral part of ends
   - eg achieving happiness of family via securing well through cheating.

2) Means are but an action, an end in themselves
   - ↳ all action must be teleologically correct

3) Categorical imperative or universalism of values and virtues like justice,

VisionIAS

fairness must be maintained in ends and means
- Kant

4) Inviolability of human dignity central to all action. Ends do not justify violation of these.
Eg) National interest furtherance via 'just wars' is criticised.

5) End of greed, profiteering and utilitarian egoism is not justifying of any means employed
Eg) Capitalist overtures over environment.

However, ends can also by means-justifier
→ Heinz dilemma of saving wife over ethics of stealing
→ Good ends might require illicit means Eg) waging encounter against terror attack
→ means are but mere tools.
Eg) Substantive justice over procedural

Thus ends and means must be a balanced whole in their ethicality and soundness.

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Laws and ethics are mutually reinforcing cogs of wheel of societal growth and morality.

Dynamism & shaping

1) Change in societal morality due to synthesis, antithesis shapes laws of the time

(eg) Victorian morality against homo sexuality vs current enfranchise

2) Laws are but codes of societal ethics

(eg) Dharmashastras in ancient India

3) Continuous prognosis of stereotypes shapes laws

Eg) grant of voting rights to women in late 20th century in western Europe.

(4) Society determines the social sanction behind laws - rejects morals it does not gel with.

Eg) Farm laws recall

However, law shapes and drives societal change as well

- Laws are the driver of modernity
- 'Ideal State' of Plato achieved by Laws
- Entrenching anti-stereotype association fallacies
  Eg) Sabarimala case

Thus, mutual juggling of law and ethics makes for a social dynamism of change.

www.visionias.in

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Probity and its subset, integrity, go hand in hand in public ethicality

Probity	Integrity
- contextualized in rule based working	- integrity is maintained for self 'when no one is watching'
- social, public ethics	- personal flowing into public/professional ethics
- integrity is a subset of probity in its rule cohesion	- integrity may go against probity when 'intellectual integrity' or morals mis align.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ethical governance ensured

Probity

- Rule based governance
- strictly to the 'right rule' principle
- Ensuring maximisation of welfare
- includes sense of compassion, public good

Eg TN Seshan in electoral reforms

Integrity

- Accountability from within
- truthful fortitude as hallmark
- non-corrupt character
- integrity in service and duty completed
- not all integrity can be compassionate

Eg not accepting bribes

Eg Satyendra Dubey

These are the key convergence and divergences

VisionIAS

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'Family is the first institute of socialisation. It can make or break the destiny of the world'.

The socialisation of an individual to the environment is authored by parents and family, thus, is the springboard of virtuous society

Decent home for virtuous life

1) Conditioning of child into a 'true good samaritan'
eg rebuking bad behaviour

2) scaffolding of virtues engineered via repetitive association
eg civic culture of cleanliness imbibed in clean homes.

3) Emphasis of continuity in ancestral values
eg values of peace in 'kind' homes.

VisionIAS

4) Ethos of 'cooperative action' established at home.

Eg) Yudhistir's pandavan ethics imbibed via family.

5) A society of trust and interpersonal communication around
↳ Rising public trust
↳ social capital proliferation

However, 'decent homes' and 'virtuous parents' may not be the archetypical reality:

1) Strengthening of stereotypes
Eg) generational patriarchal mindset

2) Parental 'virtue's may not strike well with modern child
Eg) Honour killing preference on inter-religious marriage.

3) 'Virtues' are subjective and immediate acceptance via authoritarian parenting causes social stagnation

Thus, it is imperative for a child to blossom under 'decent homes' to aid harbingers like Gandhiji and Mandela

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

" The author of all new universes
is but the 'universe within"

The urge to change the world begins but with oneself. Ripples of a single drop affect the whole ocean, but that realisation is rare.

Why no one thinks of 'self' as agent

1) Parochial understanding of self furthered by imposition of 'what will I be able to do' attitude.

2) Outwardly expectations, inwardly demands.
" duties are precursor to rights'

3) Task of 'examining self' and proliferating deeper purposefulness difficult.

Eg Hitler's blame ascription on Jews for everything wrong everywhere

VISION IAS

4) Absence of role models who have been harbingers of change within and out.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

How changing self changes world

1) Gandhian swaraj starts with 'self discipline'.
   Eg a disciplined individual in Sam Manekshaw changed course of Bangladeshi history.

2) A positive attitude after self reflection and awareness forays → happiness within → happiness in society.

3) "Constituents make the whole"
   Eg Bhutanese happiness index furthered by achievement of sufficiency and trusteeship.

4) A 'changed' individual forays into a changed ecosystem.
   Eg Kamala Devi's brigade of ecocentrism.

* However, not all 'change' is for the best as exampled by change of heart of serial killers 'post trauma'

"A happy individual makes happy home, a decent society and peaceful world" - Kalamji

VisionIAS

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Confucius, ~~was~~ a Chinese polymath, renders the thought to action fallacy herein where he highlights the importance of courage, an Platonic value of characteristic virtue

Why 'courage' is reflected

1) Courage is an attribute of the strong
   - mind
   - body
   - soul

2) Courage to stand against 'self-belief' requires examinatio of purpose

3) Persecutive fear from societal morality
   - eg standing against taboo of divorce for a woma

4) Associative fallacy: strengthened stereotypes penetrate our our

VISION IAS

conscience and prevent what is otherwise right.

5) Objective analysis of consequences needed.

6) Inability to seek categorical imperative of Kant due to impact on loved ones.

eg) kith & kin (over) duty

How to be courageous?

1) Ascribe consequentialism in the ends thus sought
eg) welfarism as end; public service requires sacrifice.

2) Stand up against complicity and comfort.
eg) Sophie Scholl who joined white brigade against Nazism in Germany.

3) Culture of openness and 'voice dignity'
eg) ~~NYT~~ New York Times on interest safeguarding

Thus, with reasonable perception of 'right' adding Platonic prudence, temperance and finally - courage - is key

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Positive attitude is defined as optimistic outlook towards objects, events and individuals.

Factors engineering positive outlook:
- Family socialisation of virtues of composure, cooperation
- Emotional awareness of self
- Consequential clarity on cons of negative attitude.
- Vision and mission with end in mind
- purpose supported by purposefulness
- Determination towards a goal with belief in self.

Effectiveness multiplier in civil service

1) Solution-oriented performance
↳ Does not dwell on issues
(eg) Armstrong Pame on NE ~~social enth~~ road duty put

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) Creativity sprinklers
- innovative mindset with key for positive externalities maximisation
(eg) IAS Prasanth Nair's Mission Kozhikode

3) See the light in the Darkness
Able to work in the strictest, most debilitating of circumstances
(eg) Om Chaudhry (IAS) opened schools in Naxal areas.

4) Constructing a polite and proactive governance infrastructure
(eg) effective team building by ~~ESt~~ E Sreedharan

5) Emotional intelligence that furthers Karmyogi ethics of 'citizen is always right'.

Thus, a positive attitude aids in creating a creative, cooperative, consistent and most importantly, non 'Narcissus-like bureaucracy' (Nehru) busy in inflexible, negative and issue-dwelling culture.

VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional intelligence refers to management and understanding of emotions of self and those around for effective furthering of objectives in social paradigm.

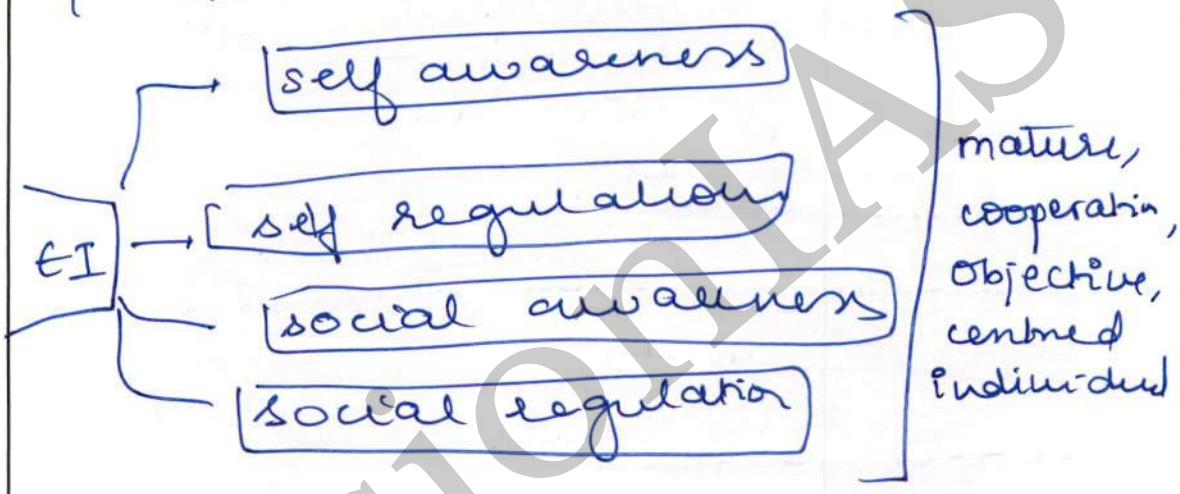

Influence on decision making

1) Determination of goals of self in the public service and welfarism of other.

2) Aids objectivity supplemented by compassion for last mile
Eg Rawls justice as cornerstone.

3) Ability to navigate corruption avenue by self-regulation

VISION IAS

of 'appetitive man' (Plato)

4) Persuasive tenor in relationships management with senior officials, or 'influencing' agents

eg bidding favoritism avoided.

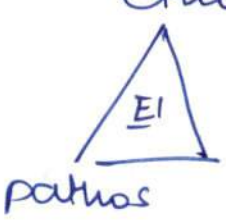

5) Determination of allocation with regard to contextualized matrix/ criterion

eg Slum redevelopment vs green drive in posh areas

6) Ability to decipher optimisation in times of scarcity

eg Bhilwara model of covid tackling

eg Iqbal Singh (IPS) management of oxygen cylinder during covid

However, it must be kept in mind that (EI) is just an ability and 'ethics' are determined by the individual possessing such ability.
eg churchill

Thus, with a steadfast commitment to ethical decisionmaking, EI in civil servants can be a game changer.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'Universal humanitarianism' is the cornerstone of organisations like 'Doctors without Borders' wherein 'volunteerism' and 'service to humanity' star the contrasting realities of war.

Ethical challenges

1) Someone's patriot, another one's terrorist
- choosing a perspective is pressured onto volunteers.

2) Objective ethics of 'Hippocrates' 'To none, do harm'
eg) Helping a shot down terrorist

3) Militant and civilian get hurt alike → Kantian universalism or moral relativism?

4) Ethical egoism of saving self before saving others.

VISION IAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) Imperative of human as end or as means?

6) Psychological egoism
- all good is done with selfish motto.

7) Picking 'sides' be comes imperative
Patriotic doctor serving ~~other~~ nemesis' civilian/military.
Eg Hermine Gies saving Anne Frank from Nazis.

8) Transparency and Responsiveness
Eg Fair and objective reporting of facts, not own values.
Eg Washington POST Charter of value

Principles
- All human life is the same. (Equality)
- Serving the world before nation
- Categorical imperative of 'humanity principle'
- Duty principle towards inviobility of human dignity.

Virtue ethics of trust, cooperation and service to society

Thus, with a stark service orientation, not marred by utilitarian motives, imparts a Vivekanandian duty ascription to this work-

VisionIAS

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion or moral or other suasion measures refer to moulding of actions and thoughts of an individual to an end.

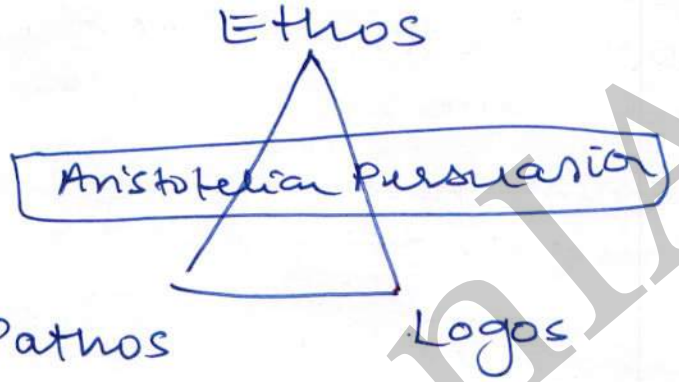

Need for persuasion in civil servants

1) Managing conflicts of senior

- persuasion of self
  - equanimity
  - Objective evaluation of facts
- of others
  - ethicality and practicality matching with demands

2) Critical to emotional intelligence required in managing relations with senior

VisionIAS

officials and being a conduit in political-locale governance.

3) Practice of balancing non-partisanship with maximising political aid to welfarism.

4) Advisors to political executive
↳ getting what is best for one's district / department

5) Citizen interfacing with calmness and solution-oriented working.

6) Deradicalisation of miscreants
(eg) Operation Pigeon.

- persuasion with public welfare as end
- ability not to be misused for gaining personal favours
(eg) J&K narco-terror enhancing 6 officials

Consideration
↓
→ Social harmony furtherance

- creation of just society with level playing field
- efficient and corruption free action.

Thus, persuasion plays a critical role in service delivery, from self to seniors to office to society

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Corruption refers to ~~the~~ deviant behaviour on account of personal or private gains. An ethical leader sets stage for reduction of corruption.

Role of ethical leadership

1) Sets role model of transparent, upright and public oriented serviceman

Eg) TN Seshan's brigade against electoral corruption.

VISION IAS

2) 'Duty orientation' over 'right to compensatory corruption'.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

3) Effects policies and integrity pacts owing to self-instituted goal of 'clean governance'.

4) Rule-based order in office and within team.

5) Steadfast determination to ethics ensures stringent application of laws of anti-corruption (eg) Prevention of corruption Act, 1988

6) Analyses root cause of corruption and sets it right
(eg) corruption termed as 'survival strategy' by some.

However, ethical leadership alone not sufficient:
- environmental determination
- Income lack → corruption as survival strategy.
- when ends justify means
- character of individual is determinant, not the leader.

Thus, ethical leadership sets stage for 'yogakshama ethics' of welfare as priority.

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati advocated, vociferously, for Vedantic Vijanan and was a vehement supporter of revivalism of vedic teachings.

Major teachings

1) Universalisation of education as key to ending deprivation of mind
   - ↳ setting up of DAV school network along these lines.
2) Aspect of religion as unifying force against evil.
3) Patriotic centre stage before personal gains.
4) Functional specialisation by to robust socio-economic paradigm.

VisionIAS

5) Set forth charter of being at one with nature.

6) Realisation of self worth and pride for effecting true nation-building

7) Respect for all social groups – 'men of God'

Relevance

- **Education deficit in moralistic imbibing** → DAV focus on universal access to education to end ignorance
  - eg) Literacy education divide
  - eg) rape by police volunteer.
- **Nation building via historical understanding of civilisation of India** → Part of Panchprand against separatism
  - eg) NE insurgency
- **'Equality of man' key to ensuring social harmony** in times of chaos and belligerence.
  - eg) Muzaffarnagar riots
  - → social equality against ethnic, casteist discrimination
  - eg) SC/ST face 30% more chance of police brutality.
- **Ecocentrism as ethos for Vedantic implementation** → Environmental degradation issues

Thus, with is embodiment of equality, patriotism and centrality to universal education with historical underpinning, he is crucial to attainment of a socially cordial Bharat.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

VISION IAS

Gender divide manifests itself in diverse range of settings - with 35% women reporting sexual harassment at workplace according to (WEF).

This goes against the ethos of Article 14, 15 : equality and Article 46 on conditions of work.

(a) Karan faces a line of ethical dilemmas in deciding to report the said incident(s):

→ Duty towards Friend (vs) Duty towards future female employees.

→ Professional furtherance (vs) Parity furtherance.

→ Ethical egoism of staying silent (vs) Team ethics of safeguarding colleague.

→ company loyalty vs collegiality principle

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

→ Future of Mariyam vs current persecution stress she is undergoing.

→ Offending senior vs conscience preservation

→ Categorical imperative of Kantian ethics in Mariyam's happiness as an end vs Hypothetical imperative of Kantian ethics in preserving her as a means to fulfillment of her family's basic necessities

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) Options available to Karan are as follows:

① Staying silent and adhering to Mariyam's request

merits

① Mariyam's family saved

② Her expectations as an agent respected

demerits

① Apathy on Karan's end

② Risk to other female employees

③ Conscience bankruptcy.

VisionIAS

उम्मीदवारों, को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② Reporting the case immediately without due consultation

merits

① POSH, 2013 ensures punitive action against perpetrator
② Justice to Mariyam.
③ Precedential norm of respecting all genders.

demerits

① Mariyam may lose job
② violation of Mariyam's trust
③ 'well known' company ↓ livelihood security of employees destabilized
④ Affect on own utilitarian ethos

③ I will choose: Navigating Internal Complaints Committee option with light nudges preempting final remedy to set senior straight

Action

1) Calmly and playfully discussing problematic behaviour with perpetrator

2) Soft nudges of passing mention of judicial punitive action of such comments

justification

Equanimity before emotional decisionmaking

Not so much 'carrot but hint of stick' approach

VisionIAS

3) Ease Mariyam into being bold and replying with steadfast conviction. | Agency to the victim facilitating courage in her.

4) On not stopping and apologising, file complaint with ICC himself. | Justice as the end. Nothing more importa.

5) Aiding HR in organisation of sensitization of gender behavior | Gender violence as against corporate ethics of humane dispensation.

Whilst Karan stands chance of causing harm to Mariyam's future, he also knows that she is a 'talented & driven' individual and can flourish best in a safe work culture.

(C) Responsibilities → Humane capitalism

→ Culturalising and normalising employees respect - gender, caste etc.

Employee satisfaction
- Safe workplace culture.
- open spaces of reporting incidents
- Policy of Zero Tolerance eg HUL, Tata.

→ Respect based on merit over other factors

Thus, to effectuate 'Naari Suraksha Kavach' (Modiji), there is a need to empower her in such microsettings.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

VisionIAS

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mark Twain, in the 'Gilded Age', calls all forms of corruption as 'feral beasts' infesting upon welfare of all.

Tampering of recruitment process is antithetical to the OECD ethos of good governance - transparent, accountable and meritocratic recruitment (Weberian Bureaucratic principles)

(a) Options available to Jay are as follows.

① Not report tampering to vigilance and carry on with his schemes.' implementation

merits
i) Educational prowess ensured
ii) Utilitarian ~~par~~ ethos

demerits
i) parochial utilitarianism
a safeguarding self & work

www.visionias.in

of saving family and self-centric ethical attitude (Lokayata)	- Public service demands impartiality and duty over self
- Charvaka ethics of considering present over future.	- Broken promise of oath of civil servant

2) Go ahead and report to Vigilance or take to public realm

merit	demerits
- Electoral integrity by informing citizen of character of representation	- loss of own reputation ~~and~~
- restore meritocratic principle of equality	- familial discomfort
- system may change post expose	- inability to navigate through transfers
	- continuation of system, like previous time,

(B) According to me, pragmatism and public duty prioritisation go hand in hand. I will report to my senior - chief secretary - and solicit advise. If on track of disapproving current recruitment, I will go ahead and disapprove.

+ Institution of integrity charter
+ ensuring standard procedure for recruitment set in place.

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

→ would take transfer head on, but will consult with minister to make him understand the risk he stands if leaked to public.

These are the optionalities of this choice which conserve:

→ Ethics of transparency.

→ Accountability.

Additionaly, I will maximise citizen centric agency by firing for social audit of recruitment procedures and integration of online tests, like those of NTA for further trust-building and objective recruitment.

(c) Civil Servants, the steel frame, can go 'rusted' if not protected against political-goon culture:

(i) Easing of Sec 13 of Prevention of corruption Act, 1986
↳ fair chance of hearing.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

2) Transfer and promotion procedures on duration and authority with this responsibility be non-political

3) Avoid implementation of ethical training (Paramarsh fondation) on navigational pathways for non-partisanship

4) Protection against corruption of politicians to permanent executive to make them a lever of political accountability.

5) Special whistle blower protection rules for civil servants to preserve repute and integrity.

6) Installation of strong Civil Services Board

These are, thus, the measures to protect the 'administrative entrepreneurs' of Indian governance (5th pay commission)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

VISION IAS

Sustainable development aims to chart a balance between economics of today and rights of tomorrow

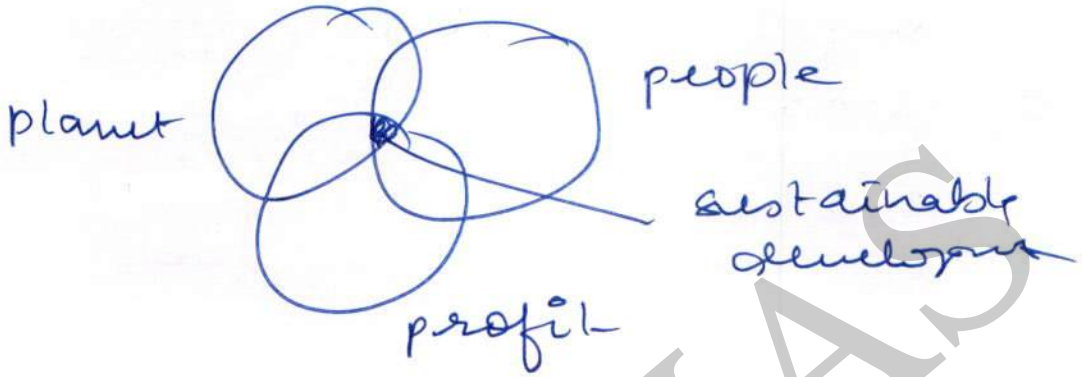

a) Ethical dilemmas

Environmentalism vs Development

Development of tomorrow vs welfarism of today

commongood vs ecological integrity

ecocentrism vs human/ anthropocentrism

Kantian duty principle vs utilitarian ethics of preserving political goodwill

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

Greatest Happiness of commuters

Greatest happiness of city and its posterity

B) Options available

① In stroke of maintaining political good will, approve cutting of trees

+ve

- commuter's eased life → utilitarian governance
- expedited governance
- welfarism

-ve

- sustainability destroyed
- anthropocentric ecosystem determination
- violation of vedic ethos of 'nature as part of self'

② Reject cutting of trees and aid in environmentalists movt

+ve

- environmental ethics of conservation and preservation
- posterity rights of clean environment saved.

-ve

- commuting community not aided
- indirect pollution via increased emissions
- Political goodwill lost
- Potential heat from pol. boss.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

③ According to me, a prioritisation must be accorded to graded response

① Conduct an Environmental Impact Assessment of said project — Objective, data driven decisionmaking

② Look for alternative routes to establish infrastructural connectivity — creativity and 'least harm' principle

③ Dialogue to diminish distrust ⇒ political and environment and public stakeholder meet — public reasoning as aid to democratic decisionmaking

④ Involve forest department and PWD in determining middle path — acumen for holistic finalisation of project

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

c) Measures to balance urban needs and conservation.

1) Creation of idea banks for democratic and vast space of citizen-as-active-administrat

2) Integrity of nature and nurture across city ensured via environmental nudges.

3) Explority models of 'urban sustainability' via Smart Cities Mission manuals.

4) Issue-specific implementation
   a) smog tower for air pollution
   b) Vertical gardens and urban forests in small spaces

5) Compensatory afforestation within city for removal of current one.

Thus, there is need to ensure 'sustainomics' model of 'Uncommon Futures Report' is followed for healthy, common future of Resilience

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VISION IAS

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

Medical ethics, first charted by Hippocrates, are foundationed on the cardinal principle of: 'First, do no harm'

VISION IAS

The Pharmaceutical sector, in recent times, has been accused selling 'toxic drugs of life' which has tarnished Indian exports' reputation worldwide, especially post Gambian deaths.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) Stakeholders

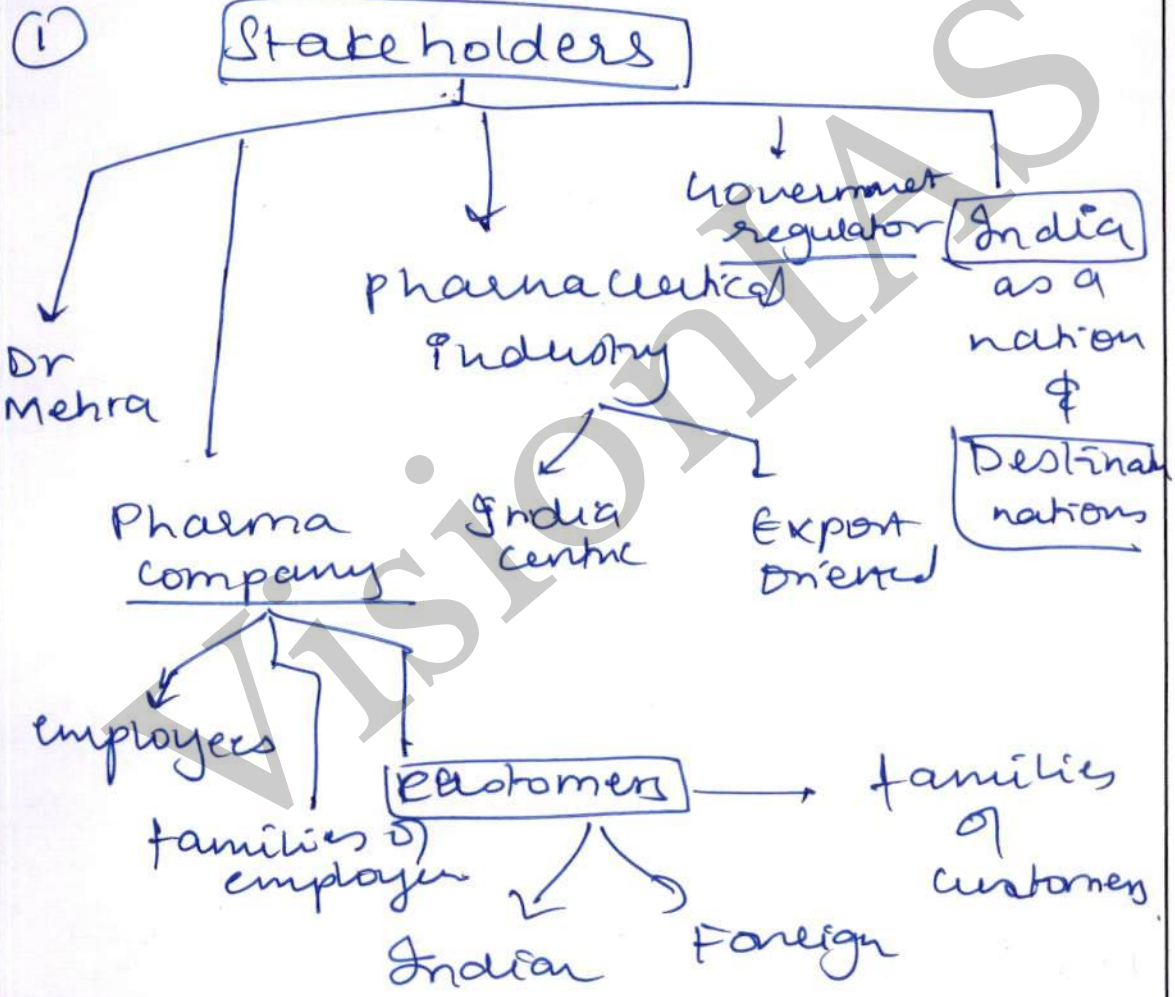

In addition, the entire rare diseases community and future drug discovery will be a stakeholder.

VISIONIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

B) Ethical Issues Involved:

① Drug resilience for customers and their health

② Professional loyalty to company is question

③ Breakdown of trust of Dr. Mehra in his company's seniors

④ Breach of trust towards customers on potential release

⑤ Future of self and employees owing to stagnation in releases by company.

⑥ Stoppage of access of existent drugs of company if brand disreputed

⑦ Humane capitalism of ensuring right service delivery

⑧ Quality and profit vices on unbalanced pedestal.

VisionIAS

c) Options available

(1) ~~Report~~ ~~not~~ Bend under pressure and release drug

+ve
- promising drug for diseased
- company loyalty intact
- continuation of employee security.

-ve
- loss of common good
- profit seeking 'nasty, brutish greedy' man of Hobbes takes over
- violation of legal structures

(2) Refuse release and stop working on drug

+ve
- ensures intellectual integrity
- diseased's lives saved from complication
- professionality maintained

-ve
- Drug, if not released by Dr. Mehra, might be by someone else.
- ethics of company still questionable.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(3) According to me, Hippocratic oath applies to pharmaceuticals as well..

Dr Mehra should:

Action	Justification
Highlight cost & Benefit to Directors	See legal cost and reputational hazard for informed decision over green
Ensure other drugs are not flouting same rules	Cleaning company for corporate and medical ethics maintenance
Looking further into drug for addressing issues & asking directors for some time	middle path with seeking long term efficient outcomes & foresight

Thus, while a bird in hand is better than two in bush of Charwakas, it is equally important to deliver 'Yogkshama karmasu kaushalam' (Efficiency via excellence).

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

VisionIAS

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

. A true leader sits in the back and watches his team succeed, as exampled by Kalamji's recollection of Vikram Sarabai's true leadership qualities.

a) Ethical issues

i) dissatisfaction with departmental culture of laxity.

VisionIAS

2) Lack of creative endeavour

3) To each, his own attitude

4) Disrespect for fruits of someone else's baring

5) No guidance to new joinee.

6) Vehement disregard of leader towards team member.

7) Disvalued work of member

A) Soft work culture of indifference, servitude and exacting profit from other work

b) ~~Effects~~ on workplace morale

→ Indifference ~~breed~~ breeds low incentive

→ Soft work culture breeds lack of active creativity and proactive welfare endeavour

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VISION IAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- culture of lack of work-life balance.
- Lower productivity when due credit not given
- Deceit breeds lack of trust in interpersonal relations &

Mismanaged affairs and unaligned goals

↓

organisational decay.

c) Options

1) Stand up during meeting and join presentation

+ve

claim credit

- justify own worth

-ve

- unprofessional behavior
- rebuke by chief secy for disrespect

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) Keep mum and let things flow

+ve	-ve
- maintain relation with senior	- lack of courage
- let the project be implemented — ultimately ones on me.	- culture of such kind continues.
	- incentive minimum.

3) I will:
take this up with my senior:

- take it up with him and tell him how it made me feel invalued.	courage and composure to respect chief secy
- Ensure I meet chief secy separately to solicit advise	credit is not the key to public service, the public is the end.

Thus, with ethos of nishkam karma, I will proceed.

VisionIAS

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

VisionIAS

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Non partisanship and service without ends (nishkam karma) are ethos of a karmyogi, supplemented by respect for ecocentricism for a modern day bureaucrat.

a) Ethical issues from nexus:

→ biased decisionmaking

– lack of equal opportunity to all

– Man as means to end of 'power and pelf' for some.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- violation of dharma or righteousness of Ramrajya or Philosopher king
- objectivity dissolved to favourish to some.
- 'some more equal than others'
- violation of constitutional morality
  ↳ ~~Art~~ 48A and Fundamental Duty (51A) to protect and preserve environment.
- Weberian ethics promulgate a rule-based order, supplemented by duty. This is tarnished by nexus

VisionIAS

- violation of common good

b) Options

(1) ~~As~~ Expose chairperson

-ve	+ve
- acceptance of favours	- safeguard community around plant
- bias against chair w/o confirmation	- ensure integrity and probity

(2) Go ahead with EIA and not adhere to opposition leaders' allegations

+ve	-ve
- Effect the procedural integrity & respect it	- falsified report stays
	- lack of courage and vigilance on Anu's part
- Aid economic growth via smelting plant proliferation	- Endanger lives of all those dependent on it

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(3) According to me

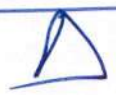

vigilance	~~poli~~ probity
respect for senior	respect for process
Further probe into EIA before accepting allegations	conscientious pursuit of truth & data driven decision
Do not dole out hearsay, in	intellectual and moral obligation to truth
Inform my senior if I find convulsion	courage to stand up

Report politician with evidence of collusion corruption

Thus, integrity and conscience are keys of an upright Weberian civil servant

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS